सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती
महासचिव : का. डी.आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 9/2018
दिनांक : 21/08/2018

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों-अधिकारियों-विकास वाहिनी के नाम अपील

प्रिय साथियों ,

विषय : केरल में पीड़ित मानवता के लिए मुक्तहृदय से आर्थिक सहयोग करें

केरल में लगातार बारिश ने उसे पूरी तरह तबाह कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा ने न केवल सड़क, भवन, एयरपोर्ट, खेती, पुल-पुलिये, घरों - भवनों बल्कि हर किस्म के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त कर दिया, बल्कि समूचे केरल के जनजीवन को ही संकटग्रस्त बना दिया। कहा जा रहा है कि 100 साल में ऐसी तबाही का यह भयावह मंजर कभी किसी ने नहीं देखा। राज्य का कोई भी हिस्सा इससे अछूता नहीं बचा। अब तक आधिकारिक जानकारी के अनुसार 450 से अधिक लोगों की जानें चली गईं, सात से आठ लाख लोग सरकार द्वारा संचालित 5645 राहत शिविरों में शरण लिये हुए हैं। सैकडों लोग इसके अलावा भी विभिन्न नागरिक समुदाय व अन्यान्य सामाजिक संगठनों द्वारा संचालित शिविरों में भी शरण लिये हैं। लाखों की संख्या में लोग बेघरबार हुए हैं। एक प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस विभीषिका में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक व निजी संपत्ति का नुकसान हुआ है।

आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार, सेना के जवान, राष्ट्रीय आपदा बचाव कर्मी, विभिन्न संगठनों के सैकड़ों वालिन्टियर, चौबीस घंटे बचाव कार्य में जुटे हैं और सैकड़ों लोगों की जानें उन्होंने बचाई हैं। इस त्रासदी की भयावहता की अनेक तस्वीरें हृदयस्पर्शी व मार्मिक हैं, जिसने हमें पूरी तरह झकझोर दिया है। जीवन व आम बीमा कर्मचारी भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अनेक साथियों की संपत्तियों, घरों को भारी नुकसान पहुंचा है, अनेक साथी राहत शिविर में शरण लिये हैं तो कई अपने अन्य रिश्तेदारों के दूसरे सुरक्षित स्थानों में शरण लिये हैं। रान्नी, चेगन्नूर, तिरुवल्ला, चलकुन्डी और अलुवा सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं। कोट्टायम मंडल की रान्नी, थोइडुप्झा, पाला, तिरुवला और पथनमिथिट्टा शाखा 16 अगस्त से बंद है। 18 अगस्त को हालत यह हो गई कि कोट्टायम मंडल कार्यालय भी खोलना संभव नहीं हुआ। कोचीन मंडल की चलकुडी व अलुवा शाखा भी बंद है।

इस त्रासदी ने प्राकृतिक सौन्दर्य की धरा केरल राज्य में मानव जीवन को विपदाग्रस्त बना दिया है। वास्तव में केरल के पुर्ननिर्माण की आवश्यकता है। पीड़ित मानवता की मदद में अपनी परंपरा के अनुसार दक्षिण क्षेत्र के बीमा कर्मीभी पूरी शक्ति से सहयोग व राहत कार्य में जुटे हैं। एआईआईईए ने इस हेतु दस लाख रु. की सहयोग राशि प्रदान की है। हमारे साथी प्रभावितों को खाद्य सामग्री, चिकित्सा हेतु राहत शिविर चला रहे हैं। हमारी कोझीकोड मंडलीय इकाई ने 15 लाख रु. की राशि एकत्र कर लोगों को चावल, सूजी, चादर, कपड़े, बिस्किट, पेयजल इत्यादि मुहैया कराये हैं, मदुरई मंडल के जीवन व आम बीमा के साथी भी मदद में जुटे हैं। कोयंबटूर मंडल की महिला उपसमिति ने भी सहयोग में हाथ बढ़ाये हैं। पेंशनर्स साथी भी सहयोग के कार्यों में हाथ बंटा रहे हैं। समूचे देश के हर हिस्से से समाज के प्रत्येक क्षेत्र के नागरिकों ने खुले दिल से केरल की आम जनता के सहयोग के लिए हाथ बढ़ाया है।

एआईआईईए के अनुरोध पर एलआईसी प्रबंधन ने कर्मचारियों-अभिकर्ताओं से मुख्यमंत्री आपदा सहायता कोष में मुक्त हृदय से दान की अपील की है। इस हेतु कर्मचारियों-पेंशनर्स को वेतन/पेंशन में कटौती हेतु अधिकार पत्र देना होगा और यह राशि उससे ही कटौती कर ली जायेगी। इस पर आयकर छूट भी उपलब्ध रहेगी।

मध्य क्षेत्र के बीमा कर्मी पीड़ित मानवता के सहयोग में सदैव से ही अग्रणी रहे हैं। केरल के इस भयावह त्रासदी में भी निश्चय ही वे अपना सर्वोच्च योगदान सुनिश्चित करेंगे। अनेक स्थानों पर साथियों ने अपना अमूल्य अंशदान देना भी प्रारंभ कर दिया है। हम उन सभी साथियों का अभिनंदन करते हैं। हम मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों, अधिकारियों, विकास अधिकारियों, अभिकर्ताओं, पेंशनर्स साथियों से इस हेतु मुक्त हृदय से न्यूनतम एक दिन के वेतन के साथ ही आधिकाधिक योगदान की विनम्र अपील करते हैं। हमें संपूर्ण विश्वास है कि केरल के प्रभावितों की मदद और उनके पुर्ननिर्माण व वापस सामान्य जीवन की स्थिति से नवजीवन प्रारंभ करने में हमारे साथी सदैव की तरह सर्वोच्च योगदान सुनिश्चित करेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)
महासचिव